

**SCHOOL OF STUDIES IN SANSKRIT - VED - JYOTIRVIGYAN**  
**VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN**  
**SEMESTER-I [MA JYOTIRVIGYAN]**  
**CBCS PATTERN**

SUBJECT CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR INTERNAL EXAMINATION	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXAMINATION	TOTAL MARKS
	JC-01	ज्योतिर्गणित एवं ज्योतिर्विज्ञान का इतिहास	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JC-02	चिकित्सा ज्योतिष	7.5	7.5Hrs.	10	40	50
	JC-03	संस्कृत	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JEC-01	फलित ज्योतिष	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JEC-01	संहिता ज्योतिष	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JEC-01	वास्तुविद्या	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JGE-01	जैमिनि ज्योतिष	4.5	4.5 Hrs.	07	25	32
	JGE-01	भाव ज्योतिष	4.5	4.5 Hrs.	07	25	32
	JSS-01	वैदिक ज्ञान-विज्ञान	3	3 Hrs.	03	15	18
	JSS-01	संस्कृत नीति-शास्त्र	3	3 Hrs.	03	15	18
		<b>TOTAL</b>	<b>30</b>	<b>30</b>	<b>40</b>	<b>160</b>	<b>200</b>

Note : Student has to opt either one course from Group of JEC-01 or the combination of one each course from the Group of JGE-01 and Group of JSS-01

**Weightage :**

One course from Group of JEC-01 = One course each from JGE 01 and JSS 01

$$[10 \text{ internal} + 40 \text{ External} = 50] = [(07 \text{ internal} + 25 \text{ external}) + (03 \text{ internal} + 15 \text{ external})] = 50$$

$$[10 \text{ internal} + 40 \text{ External} = 50] = [(07 \text{ internal} + 25 \text{ external}) + (03 \text{ internal} + 15 \text{ external})] = 50$$

$$JEC01 = JGE 01 + JSS 01$$

**JYOTISH CORE COURSE, (JC)**

**JYOTISH CORE ELECTIVE COURSE, (JEC)**

**JYOTISH GENERIC ELECTIVE COURSE (JGE)**

**JYOTISH SOFT SKILL COURSE (JSS)**

R.D. Singh

R.D. Singh

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम.ए. (प्रथम सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN

सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JC - 01

प्रश्नपत्र का शीर्षक – ज्योतिर्गणित एवं ज्योतिर्विज्ञान का इतिहास

कुल अङ्क 50

- इकाई - 1 ज्योतिषशास्त्र - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय  
(आर्ष ज्योतिष परिचय)  
भारतीय ज्योतिष - डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री  
(भारतीय ज्योतिष का स्वरूप, विकास एवं काल वर्गीकरण)
- इकाई - 2 ज्योतिषशास्त्र - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय  
(पञ्चाङ्ग परिचय)  
गोल परिभाषा - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय  
(ज्योतिर्वैज्ञानिक परिभाषाएँ)
- इकाई - 3 भारतीय ज्योतिष - डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री  
(भचक्र एवं ग्रह, राशियाँ एवं नक्षत्र स्वरूप तथा सञ्ज्ञाएँ)
- इकाई - 4 कालमान तथा परिवर्तन / अक्षांश देशान्तर  
(इष्टकाल साधन, अयनांश साधन, पलभा साधन)  
Table of Ascendants : N.C.Lahiri  
(नक्षत्र काल (Sidereal time) साधन)
- इकाई - 5 भारतीय ज्योतिष - डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री  
(चरसाधन एवं सूर्योदय-सूर्यास्त - आर्ष पद्धति)  
Table of Ascendants : N.C.Lahiri  
(चरसाधन एवं सूर्योदय-सूर्यास्त - अर्वाचीन पद्धति)  
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशसित-ग्रन्थ -

1. ज्योतिषशास्त्र - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, त्रिस्कन्ध ज्योतिष प्रकाशन, वाराणसी
2. गोल परिभाषा - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, त्रिस्कन्ध ज्योतिष प्रकाशन, वाराणसी
3. भारतीय ज्योतिष - डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
4. Table of Ascendants : N.C.Lahiri, Astro Research Bureau, Calcutta.
5. बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - श्री गणेशदत्त पाठक, सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

6. Lahiri's India Ephemeris of Planets position According to 'Nirayan' of sidereal system for current year - N.C. Lahiri, Astro Research Bureau, Calcutta.
7. मैनुइल ऑफ एस्ट्रोलॉजी - सम्बद्ध अंश - बी. वी. रमन, पब्लिकेशंस, बैंगलोर
8. भारतीय कुण्डली विज्ञान - मीठालाल ओझा, वाराणसी
9. गोल परिभाषा - पण्डित सीताराम झा, पण्डित सीताराम पुस्तकालय, चौगभा, बहेरा, दरभंगा

त २ ५

सिताराम झा

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JC - 02  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - चिकित्सा ज्योतिष

कुल अङ्क 50

- इकाई - 1 रोग एवं चिकित्सा विषयक ज्योतिषीय अवधारणा  
ग्रह, नक्षत्र, भाव एवं राशि
- इकाई - 2 वीरसिंहावलोक - राजा वीरसिंह तोमर  
ज्वराधिकार, अर्शरोगाधिकार, कृमिरोगाधिकार, अपस्माररोगाधिकार,  
उदररोगाधिकार, वातरोगाधिकार, अम्लपित्तरोगाधिकार, मुखरोगाधिकार,  
कर्णरोगाधिकार, नासारोगाधिकार एवं निदान।
- इकाई - 3 वीरसिंहावलोक - राजा वीरसिंह तोमर  
हृदयरोगाधिकार, अश्मरीरोगाधिकार, प्रमेहरोगाधिकार, भगन्दररोगाधिकार,  
कुष्ठरोगाधिकार, उपदंशशूकरोगाधिकार, व्रणरोगाधिकार, नेत्ररोगाधिकार,  
शिरोरोगाधिकार, बालरोगाधिकार एवं निदान।
- इकाई - 4 प्रश्नमार्ग - अध्याय - 12 एवं 13  
(प्रश्नकुण्डी के आधार पर रोग एवं निदान)
- इकाई - 5 प्रायोगिक  
(जातक की कुण्डली में रोगनिर्देश)  
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. वीरसिंहावलोक - चौखम्भा कृष्णदास अकादमी - वाराणसी
2. प्रश्नमार्ग - चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन - वाराणसी
3. सारावली - मोतीलाल बनारसीदास - वाराणसी
4. जातकपारिजात - चौखम्भा संस्कृत संस्थान - वाराणसी
5. योगचिन्तामणि - चौखम्भा संस्कृत संस्थान - वाराणसी

तुम्हारे

शुभम्

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JC - 03  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - संस्कृत

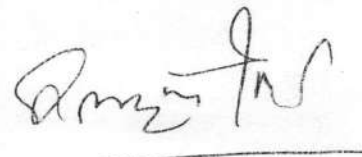
कुल अङ्क 50

- इकाई - 1 हितोपदेश - नारायण पण्डित  
(केवल मित्रलाभ)
- इकाई - 2 प्रारम्भिकरचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी  
(अध्याय 1 से 10 तक)
- इकाई - 3 शब्दरूप एवं धातुरूप - शब्दधातुचन्द्रिका  
शब्दरूप - राम, हरि, भूमृत, भानु, आत्मन, रमा, रुचि, नदी, धेनु, ज्ञान, पयस,  
मधु, अस्मद्, युष्मद्, तत् तथा चन्द्रमस्  
धातुरूप - भू, गम्, पा, रक्ष, अद्, दा, प्रच्छ, कृ, ज्ञा, चूर् तथा ब्रू  
(लट्, लृट्, लोट् तथा लिङ्)
- इकाई - 4 छन्द  
आर्या, अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, वसन्ततिलका,  
मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, स्रग्धरा तथा शार्दूलविक्रीडित ।  
(विकल्प सहित एक छन्द की लक्षण उदाहरणपूर्वक सङ्गति)
- इकाई - 5 अलङ्कार  
अनुप्रास, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, सन्देह, तुल्ययोगिता,  
विभावना, विशेषोक्ति और अनन्वय ।  
(विकल्प सहित एक अलङ्कार की लक्षण उदाहरणपूर्वक सङ्गति)  
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. हितोपदेश - नारायण पण्डित, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. प्रारम्भिकरचनानुवादकौमुदी - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
3. शब्दधातुचन्द्रिका- सम्पादक- डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
4. छन्दोऽलङ्कारसौरभम् - डॉ. राजेन्द्र मिश्र





विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JEC - 01  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - फलित ज्योतिष

कुल अङ्क 50

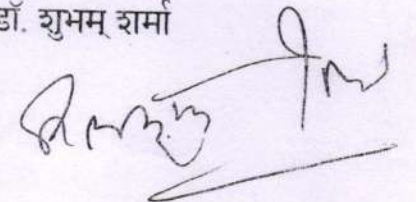
- इकाई - 1 जातकपारिजात - वैद्यनाथ  
अध्याय 1 - राशिशीलाध्याय  
अध्याय 2 - ग्रहनामस्वरूपगुणभेदाध्याय
- इकाई - 2 जातकपारिजात - वैद्यनाथ  
अध्याय 6 - जातकभङ्गाध्याय  
अध्याय 7 - राजयोगाध्याय
- इकाई - 3 लघुपाराशरी - पराशर  
श्लोक 1 से 20
- इकाई - 4 लघुपाराशरी - पराशर  
श्लोक 21 से अन्त तक
- इकाई - 5 योगचिन्तामणि - वामन  
सम्पूर्ण ग्रन्थ

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. जातकपारिजात - वैद्यनाथ, टीकाकार- पण्डित कपिलेश्वर शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. जातकपारिजात (प्रथम एवं द्वितीय भाग) - वैद्यनाथ, टीकाकार- गोपेशकुमार ओझा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. लघुपाराशरी- पराशर, टीकाकार- डॉ. उमेशपुरी ज्ञानेश्वर, रणधीर प्रकाशन, हरिद्वार
4. लघुपाराशरी- पराशर, टीकाकार- श्री वासुदेव गुप्त, सावित्री ठाकुर, प्रकाशन, रथयात्रा चौराहा, वाराणसी
5. लघुपाराशरी- पराशर, भाष्यकार - दीवान रामचन्द्र कपूर, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
6. योगचिन्तामणि एवं व्यवहारज्योतिष - डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर एवं डॉ. शुभम् शर्मा





विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान

CBCS PATTERN

सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JEC - 01

प्रश्नपत्र का शीर्षक - संहिता ज्योतिष

कुल अङ्क 50

इकाई - 1 नारदसंहिता अध्याय 1 - 11  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 2 नारदसंहिता अध्याय 12 - 22  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 3 नारदसंहिता अध्याय 23 - 33  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 4 नारदसंहिता अध्याय 34 - 44  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 5 नारदसंहिता अध्याय 45 - 55  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. महर्षिनारदविरचित - नारद संहिता, खेमराज श्रीकृष्णदास मुम्बई (महाराष्ट्र)

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN

सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JEC - 01

प्रश्नपत्र का शीर्षक - वास्तुविद्या

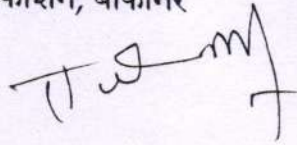
कुल अङ्क 50

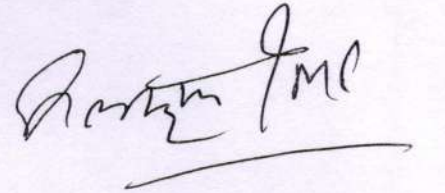
- इकाई - 1 वशिष्ठोक्ता वास्तुविद्या श्लोक 1 - 50  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 वशिष्ठोक्ता वास्तुविद्या श्लोक 51 - 100  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 वशिष्ठोक्ता वास्तुविद्या श्लोक 101 - 150  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 वशिष्ठोक्ता वास्तुविद्या श्लोक 151 - 200  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 वशिष्ठोक्ता वास्तुविद्या श्लोक 201 - 231  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. वशिष्ठोक्ता वास्तुविद्या, सम्पादक डॉ. कामेश्वर उपाध्याय,  
त्रिस्कन्ध ज्योतिषम्, वाराणसी (उ.प्र.)
2. वास्तुतन्त्र - भरत तिवारी, कामेश्वर प्रकाशन, बीकानेर







विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JGE - 01  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - जैमिनिज्योतिष

कुल अङ्क 32

इकाई - 1 सञ्ज्ञाप्रकरण तथा कारकांश फलादेश  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 2 पदफलादेश तथा उपपदफलादेश  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 3 आयुर्विचार तथा मृत्युनिर्णय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 4 विविधदशाएँ तथा दशान्तरदशाएँ  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 5 राजयोग विचार  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 25 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 7 = कुल अङ्क = 32

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. जैमिनिसूत्रम् महर्षि जैमिनि, भाष्यकार - डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र, रञ्जन पब्लिकेशन, नईदिल्ली

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JGE - 01  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - भावज्योतिष

कुल अङ्क 32

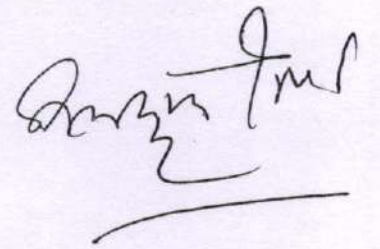
- इकाई - 1 भावार्थरत्नाकर अध्याय 1  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 भावार्थरत्नाकर अध्याय 2  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 भावार्थरत्नाकर अध्याय 3  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 भावार्थरत्नाकर अध्याय 4  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 भावार्थरत्नाकर अध्याय 5  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 25 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 7 = कुल अङ्क = 32

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. रामानुजाचार्यविरचित भावार्थ रत्नाकर, रञ्जन पब्लिकेशन, नई दिल्ली।

T. D. M.



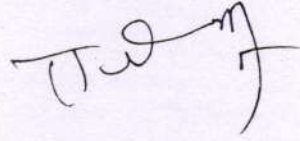
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JSS - 01  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - वैदिकज्ञान-विज्ञान

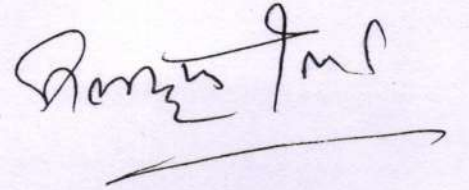
कुल अङ्क 18

- इकाई - 1 ऋग्वेद - पुरुषसूक्त - 10.90  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 ऋग्वेद - हिरण्यगर्भसूक्त - 10.121 तथा नासदीयसूक्त 10.129  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 अथर्ववेद - पृथिवीसूक्त - 12.1  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 15 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 03 = कुल अङ्क = 18

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. नवीन वैदिक सञ्चयनम् - भाग 1, 2, डॉ. जमुनापाठक चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. न्यू वैदिक सिलेक्शन - भाग 1, 2, तैलङ्ग एवं चौबे, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
3. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी





विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JSS - 01  
प्रश्नपत्र का शीर्षक – संस्कृत नीति शास्त्र

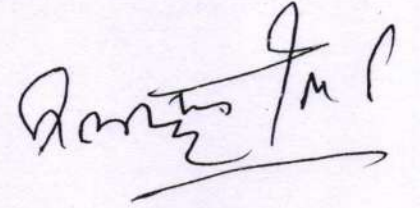
कुल अङ्क 18

- इकाई - 1 पञ्चतन्त्रम् - मित्रसम्प्राप्ति: गद्यभाग तथा पद्य 1 - 50  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 पञ्चतन्त्रम् - मित्रसम्प्राप्ति: गद्यभाग तथा पद्य 51 - 100  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 पञ्चतन्त्रम् - मित्रसम्प्राप्ति: गद्यभाग तथा पद्य 101 - 195  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न  
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 15 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 03 = कुल अङ्क = 18

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. पञ्चतन्त्रम् - विष्णुशर्मा, चौखम्भाविद्याभवन, वाराणसी





**SCHOOL OF STUDIES IN SANSKRIT - VED - JYOTIRVIGYAN**  
**VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN**  
**SEMESTER-II [MA JYOTIRVIGYAN]**  
**CBCS PATTERN**

SUBJECT CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR INTERNAL EXAMINATION	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXAMINATION	TOTAL MARKS
	JC-04	ज्योतिर्गणित एवं ज्योतिर्विज्ञान का इतिहास	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JC-05	संहिता ज्योतिष	7.5	7.5Hrs.	10	40	50
	JC-06	तन्त्र और ज्योतिष	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JEC-02	संस्कृत	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JEC-02	संहिता ज्योतिष	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JEC-02	प्रश्न ज्योतिष	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JGE-02	जैमिनि ज्योतिष	4.5	4.5 Hrs.	07	25	32
	JGE-02	भाव ज्योतिष	4.5	4.5 Hrs.	07	25	32
	JSS-02	मन्त्र-यन्त्र ज्योतिष	3	3 Hrs.	03	15	18
	JSS-02	संस्कृत नीति शास्त्र	3	3 Hrs.	03	15	18
		TOTAL	30	30	40	160	200

**JYOTISH CORE COURSE, (JC)**

**JYOTISH CORE ELECTIVE COURSE, (JEC)**

**JYOTISH GENERIC ELECTIVE COURSE (JGE)**

**JYOTISH SOFT SKILL COURSE (JSS)**

Note : Student has to opt either one course from Group of JEC-02 or the combination of one each course from the Group of JGE-02 and Group of JSS-02

**Weightage :**

One course from Group of JEC-02 = One course each from JGE 02 and JSS 02

[10 internal + 40 External = 50] = [(07 internal + 25 external) + (03 internal + 15 external)] = 50

[10 internal + 40 External = 50] = [(07 internal + 25 external) + (03 internal + 15 external)] = 50

JEC02 = JGE 02 + JSS 02

(1) 3 7

*[Handwritten Signature]*

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान

CBCS PATTERN

सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JC - 04

प्रश्नपत्र का शीर्षक - ज्योतिर्गणित एवं ज्योतिर्विज्ञान का इतिहास

कुल अङ्क 50

- इकाई - 1 भारतीय ज्योतिष : नेमिचन्द्र शास्त्री  
ज्योतिषशास्त्र प्रवर्तकों का परिचय एवं कृतियाँ
- इकाई - 2 Table of Ascendants : N. C. Lahiri  
लग्न एवं दशमलग्न आनयन (अर्वाचीन पद्धति)  
भारतीय ज्योतिष : नेमिचन्द्र शास्त्री  
लग्न एवं दशमलग्न आनयन (आर्षा पद्धति)
- इकाई - 3 भारतीय ज्योतिष - डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री  
ग्रह स्पष्टीकरण एवं भयात-भभोग साधन (आर्षा पद्धति)
- इकाई - 4 बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् : महर्षि पाराशर  
चलित चक्रसाधन एवं दशवर्ग साधन
- इकाई - 5 बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् : महर्षि पाराशर  
विंशोत्तरी महादशा, अन्तर्दशा एवं प्रत्यन्तर्दशा साधन  
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. ज्योतिषशास्त्र - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, त्रिस्कन्ध ज्योतिष प्रकाशन, वाराणसी
2. भारतीय ज्योतिष - डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. गोल परिभाषा - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
4. Table of Ascendants : M.K.Lahiri, Astro Research Bureau, Calcutta.
5. बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् - श्री गणेशदत्त पाठक, सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी
6. Lahiri's India Ephemeris of Planets position According to 'Nirayan' of sidereal system for current year - N.C. Lahiri, Astro Research Bureau, Calcutta.
7. मैनुअल ऑफ एस्ट्रोलॉजी - सम्बद्ध अंश - बी. वी. रमन, रमन पब्लिकेशंस, बेंगलोर
8. भारतीय कुण्डली विज्ञान - मीठालाल ओझा, वाराणसी
9. गोलपरिभाषा - पण्डित सीताराम झा, पण्डित सीताराम पुस्तकालय, चौगभा, बहेरा, दरभंगा

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान

CBCS PATTERN

सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JC - 05

प्रश्नपत्र का शीर्षक - संहिता ज्योतिष

कुल अङ्क 50

इकाई - 1 बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर

अध्याय 1 - उपनयनाध्याय

अध्याय 2 - सांवत्सरसूत्राध्याय

अध्याय 3 - आदित्यचाराध्याय

अध्याय 4 - चन्द्रचाराध्याय

अध्याय 5 - राहुचाराध्याय

अध्याय 6 - भौमचाराध्याय

अध्याय 7 - बुधचाराध्याय

इकाई - 2 बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर

अध्याय 8 - बृहस्पतिचाराध्याय

अध्याय 9 - शुक्रचाराध्याय

अध्याय 10 - शनैश्वरचाराध्याय

अध्याय 11 - केतुचाराध्याय

अध्याय 12 - अगस्त्यचाराध्याय

अध्याय 13 - सप्तर्षिचाराध्याय

अध्याय 14 - कूर्मविभागाध्याय

अध्याय 15 - नक्षत्रव्यूहाध्याय

इकाई - 3 बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर

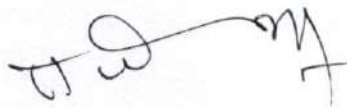
अध्याय 16 - ग्रहभक्तियोगाध्याय

अध्याय 17 - ग्रहयुद्धाध्याय

अध्याय 18 - शशिग्रहसमागमाध्याय

अध्याय 19 - ग्रहवर्षफलाध्याय

अध्याय 20 - ग्रहशृङ्गाटकाध्याय





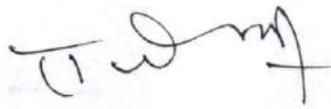
इकाई - 4 बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर  
अध्याय 21 - गर्भलक्षणाध्याय  
अध्याय 22 - गर्भधारणाध्याय  
अध्याय 23 - प्रवर्षणाध्याय  
अध्याय 24 - रोहिणीयोगाध्याय  
अध्याय 25 - स्वातीयोगाध्याय  
अध्याय 26 - आषाढीयोगाध्याय  
अध्याय 27 - वातचक्राध्याय

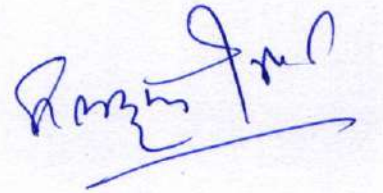
इकाई - 5 बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर  
अध्याय 28 - सद्योवर्षणाध्याय  
अध्याय 29 - कुसुमलताध्याय  
अध्याय 30 - सन्ध्यालक्षणाध्याय  
अध्याय 31 - दिग्दाहलक्षणाध्याय  
अध्याय 32 - भूकम्पलक्षणाध्याय  
अध्याय 33 - उल्कालक्षणाध्याय  
अध्याय 103 - विवाहपटलाध्याय  
अध्याय 104 - ग्रहगोचराध्याय

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. बृहत्संहिता - आचार्य वराहमिहिर - टीकाकार - श्री अच्युतानन्द झा, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
2. बृहत्संहिता - आचार्य वराहमिहिर - व्याख्याकार - डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, दिल्ली
3. बृहत्संहिता भाग - 2, टीकाराम - सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, दिल्ली







विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN

सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JC - 06

प्रश्नपत्र का शीर्षक - तन्त्र और ज्योतिष

कुल अङ्क 50

इकाई - 1 तन्त्र का आविर्भाव और विकास  
तन्त्र में वैश्विक सिद्धान्त  
मन्त्र एवं मातृकाओं का स्वरूप  
दीक्षा और अभिषेक

तन्त्र-मन्त्र-यन्त्र और आधुनिकविज्ञान  
जैन और बौद्ध मत तथा तान्त्रिक साधना का उद्देश्य

इकाई - 2 नकुलीश - पाशुपतदर्शन

इकाई - 3 शैवदर्शन

इकाई - 4 षट्कर्म; कालनिर्णय; तिथिनिर्णय; वारनिर्णय; माहेन्द्रादिनिर्णय; नक्षत्रनिर्णय

इकाई - 5 यन्त्र - सूर्ययन्त्र; गर्भस्तम्भनयन्त्र; सर्वार्थसिद्धिदायकयन्त्र; सर्वरोगहरयन्त्र;  
मानसिकरोगनिवारणयन्त्र; अर्शशमनयन्त्र; मूढतानिवारणयन्त्र; आकर्षणयन्त्र  
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. कामरत्नम् - नित्यनाथ - लक्ष्मीवेङ्कटेश्वर प्रेस, मुम्बई
2. मन्त्र और मातृकाओं का रहस्य - शिवशङ्कर अवस्थी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. तन्त्र सिद्धान्त और साधना - देवदत्त शास्त्री, स्मृतिप्रकाशन, इलाहाबाद
4. मन्त्रमहोदधि: - महीधर - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
5. सर्वदर्शनसङ्ग्रह - व्या. डॉ. उमाशङ्कर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JEC - 02  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - संस्कृत

कुल अङ्क 50

- इकाई - 1 नीतिशतकम् - आचार्य भर्तृहरि  
प्रारम्भ से 25 श्लोक (हिन्दी व्याख्या)
- इकाई - 2 नीतिशतकम् - आचार्य भर्तृहरि  
श्लोक 26 से 50 (हिन्दी व्याख्या)
- इकाई - 3 नीतिशतकम् - आचार्य भर्तृहरि  
श्लोक 51 से 75 (हिन्दी व्याख्या)
- इकाई - 4 नीतिशतकम् - आचार्य भर्तृहरि  
श्लोक 76 से अन्त तक (हिन्दी व्याख्या)  
ग्रन्थ एवं लेखक विषयक आलोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 शब्दरूप एवं धातुरूप  
शब्दरूप - नदी, धेनु, वारि, नामन, गच्छत, भगवत, मधु, एक, द्वि, त्रि, चतुर।  
धातुरूप - रूद्र, स्वप्, हन, इ, ब्रू, दुह्, भी, दा, धा, मुच, भुज,  
(उपर्युक्त धातुओं के विधिलिङ्, लङ्, लुङ् एवं लोट्लकार में रूप)  
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. नीतिशतकम् (संस्कृत - हिन्दी व्याख्या) चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. शब्दधातुचन्द्रिका - चौखम्भा संस्कृत संस्थान - वाराणसी

T. D. M.

शंकराजी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JEC - 02  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - संहिता ज्योतिष

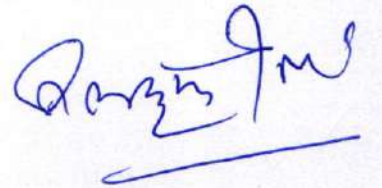
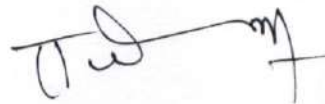
कुल अङ्क 50

- इकाई - 1 वशिष्ठसंहिता अध्याय 1 - 10  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 वशिष्ठसंहिता अध्याय 11 - 16  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 वशिष्ठसंहिता अध्याय 17 - 23  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 वशिष्ठसंहिता अध्याय 24 - 32  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 वशिष्ठसंहिता अध्याय 33 - 46  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. आचार्यवृद्धवशिष्ठविरचितवशिष्ठसंहिता - व्याख्याकार गिरिजाशङ्कर शास्त्री,  
ज्योतिष, कर्मकाण्ड एवम् अध्यात्मशोधसंस्थान, प्रयाग (उ.प्र.)



विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JEC - 02  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - प्रश्नज्योतिष

कुल अङ्क 50

इकाई - 1 प्रश्नमार्ग - प्रथमाध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 2 प्रश्नमार्ग - द्वितीयाध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 3 प्रश्नमार्ग - तृतीयाध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 4 प्रश्नमार्ग - चतुर्थाध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 5 प्रश्नमार्ग - षष्ठाध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. प्रश्नमार्ग - टीकाकार गुरुप्रसाद गौड, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान

CBCS PATTERN

सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JGE - 02

प्रश्नपत्र का शीर्षक - जैमिनिज्योतिष

कुल अङ्क 32

- इकाई - 1 मारकनिर्णय तथा आयुर्दायापवाद  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 गर्भवर्णननिर्णय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 प्रसवपूर्वविवेक तथा प्रसवपूर्वफल  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 स्त्रीजातक  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 वियोनिभेद  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 25 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 7 = कुल अङ्क = 32

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. जैमिनिसूत्रम् महर्षि जैमिनि, भाष्यकार - डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र, रञ्जन पब्लिकेशन, नईदिल्ली





विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JGE - 02  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - भावज्योतिष

कुल अङ्क 32

- इकाई - 1 भावार्थरत्नाकर - अध्याय 6  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 भावार्थरत्नाकर - अध्याय 7  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 भावार्थरत्नाकर - अध्याय 8  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 भावार्थरत्नाकर - अध्याय 9  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 भावार्थरत्नाकर - अध्याय 10  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 25 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 7 = कुल अङ्क = 32

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. रामानुजाचार्यविरचित भावार्थ रत्नाकर, रञ्जन पब्लिकेशन, नई दिल्ली।

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JSS - 02  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - मन्त्र-यन्त्र ज्योतिष

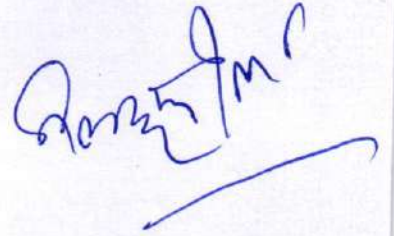
कुल अङ्क 18

- इकाई - 1 मन्त्र - स्वरूपविचार  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 मन्त्र - प्रकार  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 षट्कर्म - कालनिर्णय, तिथिनिर्णय, वारनिर्णय, माहेन्द्रादिनिर्णय तथा नक्षत्रनिर्णय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 15 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 03 = कुल अङ्क = 18

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. कामरत्नम् - नित्यनाथ - लक्ष्मीवेङ्कटेश्वर प्रेस, मुम्बई
2. मन्त्र और मातृकाओं का रहस्य - शिवशङ्कर अवस्थी, चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी
3. तन्त्रसिद्धान्त और साधना - देवदत्त शास्त्री - स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद
4. मन्त्रमहोदधि - चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी





विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान

CBCS PATTERN

सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JSS - 02

प्रश्नपत्र का शीर्षक - संस्कृत नीति शास्त्र

कुल अङ्क 18

इकाई - 1 पञ्चतन्त्रम् - लब्धप्रणाशम् गद्यभाग एवं पद्य 1 - 25

व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 2 पञ्चतन्त्रम् - लब्धप्रणाशम् गद्यभाग एवं पद्य 26 - 50

व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

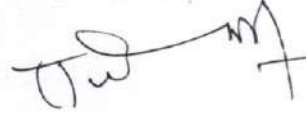
इकाई - 3 पञ्चतन्त्रम् - लब्धप्रणाशम् गद्यभाग एवं पद्य 51 - 84

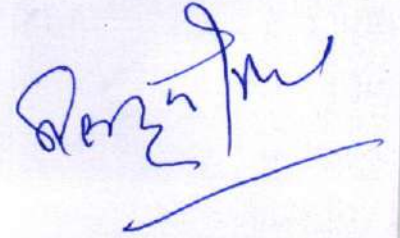
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 15 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 03 = कुल अङ्क = 18

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. पञ्चतन्त्रम् - विष्णुशर्मा, चौखम्भाविद्याभवन, वाराणसी







**SCHOOL OF STUDIES IN SANSKRIT - VED - JYOTIRVIGYAN**  
**VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN**  
**SEMESTER-III [MA JYOTIRVIGYAN]**  
**CBCS PATTERN**

SUBJECT CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR INTERNAL EXAMINATION	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXAMINATION	TOTAL MARKS
	JC-07	उच्चतर ज्योतिर्गणित	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JC-08	फलित ज्योतिष	7.5	7.5Hrs.	10	40	50
	JC-09	संस्कृत	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JEC-03	भारतीय ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JEC-03	संहिता ज्योतिष	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JEC-03	प्रश्न ज्योतिष	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JGE-03	नवग्रह विज्ञान	4.5	4.5 Hrs.	07	25	32
	JGE-03	भाव ज्योतिष	4.5	4.5 Hrs.	07	25	32
	JSS-03	पौराणिक सृष्टि विज्ञान	3	3 Hrs.	03	15	18
	JSS-03	संस्कृत नीति शास्त्र	3	3 Hrs.	03	15	18
		TOTAL	30	30	40	160	200

**JYOTISH CORE COURSE, (JC)**

**JYOTISH CORE ELECTIVE COURSE, (JEC)**

**JYOTISH GENERIC ELECTIVE COURSE (JGE)**

**JYOTISH SOFT SKILL COURSE (JSS)**

Note : Student has to opt either one course from Group of JEC-03 or the combination of one each course from the Group of JGE-03 and Group of JSS-03

**Weightage :** One course from Group of JEC-03 = One course each from JGE 03 and JSS 03

[10 internal + 40 External = 50] = [(07 internal + 25 external) + (03 internal + 15 external)] = 50

[10 internal + 40 External = 50] = [(07 internal + 25 external) + (03 internal + 15 external)] = 50

JEC03 = JGE 03 + JSS 03

*(Handwritten signatures)*

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JC - 07  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - उच्चतर ज्योतिर्गणित

कुल अङ्क 50

- इकाई - 1 पञ्चसिद्धान्तिका - आचार्य वराहमिहिर  
अध्याय 15 - ज्योतिषोपनिषद् (सम्पूर्ण)  
अध्याय 9 - सूर्यचन्द्र मध्यमान  
(श्लोक सङ्ख्या 1 एवं 2)  
अध्याय 16 - ग्रह मध्यमान (सम्पूर्ण)
- इकाई - 2 सूर्यसिद्धान्त - नवीन  
अध्याय 1 - मध्यमाधिकार  
(श्लोक सङ्ख्या 1 से 24 तक)
- इकाई - 3 सूर्यसिद्धान्त - नवीन  
अध्याय 1 - मध्यमाधिकार  
(श्लोक सङ्ख्या 25 से 47 तक)
- इकाई - 4 सूर्यसिद्धान्त - नवीन  
अध्याय 1 - मध्यमाधिकार  
(श्लोक सङ्ख्या 48 से अन्त तक)
- इकाई - 5 वेदाङ्गज्योतिष - लगध  
(आर्ष ज्योतिष)  
(श्लोक सङ्ख्या 1 से 10 तक)

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. पञ्चसिद्धान्तिका - टीकाकार म.म. सुधाकर द्विवेदी तथा सी थिबोट चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफिस, वाराणसी
2. पञ्चसिद्धान्तिका - टी. एस. कुप्पनशास्त्री तथा बी.के. शर्मा, पी.सी.एस.टी. फाउण्डेशन, अड्यार, मद्रास

*Handwritten signature in blue ink.*

*Handwritten signature in black ink.*

3. सूर्यसिद्धान्त - अगस्त आर.ई. वर्मा, इण्डोलाजिकल बुक हाउस वाराणसी
4. सूर्यसिद्धान्त - टीकाकार - श्री कपिलेश्वर झांझी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
5. सूर्यसिद्धान्त - टीकाकार - पं. माधवप्रसाद पुरोहित, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
6. सूर्यसिद्धान्त - टीकाकार - बलदेवप्रसाद मिश्र, खेमराज श्रीकृष्णदास, मुम्बई
7. सूर्यसिद्धान्त - टीकाकार - रामचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
8. वेदाङ्ग ज्योतिष-टीकाकार - डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली।
9. ज्योतिषशास्त्र - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, 96, जानकी नगर, बजरहिया, वाराणसी।
10. गोल-परिभाषा - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
11. गोल-परिभाषा - पं. सीताराम झा, पं. सीताराम पुस्तकालय, चौगमा बहेरा, दरभंगा।

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JC - 08  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - फलित ज्योतिष

कुल अङ्क 50

- इकाई - 1 जातकपारिजात - वैद्यनाथ  
अध्याय 10 - अष्टकवर्गाध्याय (सम्पूर्ण)
- इकाई - 2 जातकपारिजात - वैद्यनाथ  
ग्रहभावफलाध्याय, अध्याय 11 से 13 तक
- इकाई - 3 जातकपारिजात - वैद्यनाथ  
ग्रहभावफलाध्याय, अध्याय 14 से 15 तक
- इकाई - 4 सारावली - कल्याण वर्मा  
अध्याय 39 से आयुर्दायाध्याय  
अध्याय 10, 11, 12 अरिष्टाध्याय
- इकाई - 5 सारावली - कल्याण वर्मा  
अध्याय 40 दशाध्याय  
अध्याय 41 अन्तर्दशाध्याय  
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

सन्दर्भ ग्रन्थ -

1. जातकपारिजात - वैद्यनाथ, टीकाकार पण्डित कपिलेश्वर शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. जातकपारिजात - वैद्यनाथ व्याख्याकार - गोपेश कुमार ओझा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. सारावली - कल्याण वर्मा, टीकाकार - डॉ. मुरलीधर चतुर्वेदी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JC - 09  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - संस्कृत

कुल अङ्क 50

- इकाई - 1 वैराग्यशतकम् - भर्तृहरि  
प्रारम्भ से 35 श्लोक (हिन्दी व्याख्या)
- इकाई - 2 वैराग्यशतकम् - भर्तृहरि  
श्लोक - 36 - 70 (हिन्दी व्याख्या)
- इकाई - 3 वैराग्यशतकम् - भर्तृहरि  
श्लोक - 71 से अन्त तक (हिन्दी व्याख्या)  
ग्रन्थ एवं लेखक विषयक आलोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 प्रारम्भिकरचनानुवादकौमुदी - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी  
अध्याय 11 - 20 तक
- इकाई - 5 शब्दरूप एवं धातुरूप  
शब्द - दिश, क्षुध, गृह, वारि, गौ, गच्छत, अहन, सर्व, किम्, एतद्, इदम्  
धातु - भी, शी, हु, युध, जन, मृ, स्पृश, भुज, मुच, तन् (लिट्, लुट्, लङ्, लृङ्)  
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. वैराग्यशतकम् - भर्तृहरि - चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. प्रारम्भिकरचनानुवादकौमुदी - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

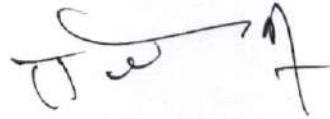
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JEC - 03  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - भारतीय ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र

कुल अङ्क 50

- इकाई - 1 भारतीय ज्योतिष की प्राचीनता, प्रयोजन तथा पञ्चाङ्गपरिचय  
आलोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 गर्गसंहिता सम्पूर्ण  
व्याख्या एवम् आलोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 विश्वकर्माप्रकाश  
अध्याय 1 - 5  
व्याख्या एवम् आलोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 विश्वकर्माप्रकाश  
अध्याय 6 - 10  
व्याख्या एवम् आलोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 विश्वकर्माप्रकाश  
अध्याय 11 - 13  
व्याख्या एवम् आलोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. ज्योतिष शास्त्र - लेखक डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, त्रिस्कन्ध ज्योतिषम् प्रकाशन, वाराणसी
2. भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. विश्वकर्माप्रकाश - ठाकुर प्रसाद एण्ड सन्स, वाराणसी





विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JEC - 03  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - संहिताज्योतिष

कुल अङ्क 50

- इकाई - 1 लोमशसंहिता अध्याय 1 - 3  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 लोमशसंहिता अध्याय 4 - 6  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 लोमशसंहिता अध्याय 7 - 8  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 लोमशसंहिता अध्याय 9 - 10  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 लोमशसंहिता अध्याय 11 - 12  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशसित-ग्रन्थ -

1. आचार्यलोमेशविरचित लोमश संहिता - टीकाकार - गिरिजाशङ्करशास्त्री,  
हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JEC - 03  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - प्रश्न ज्योतिष

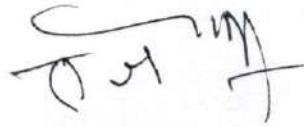
कुल अङ्क 50

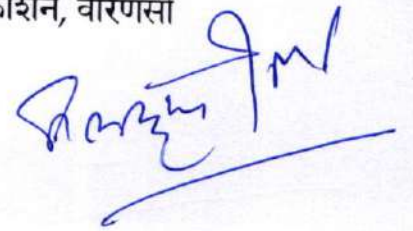
- इकाई - 1 प्रश्नमार्ग - सप्तमाध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 प्रश्नमार्ग - अष्टमाध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 प्रश्नमार्ग - द्वादशाध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 प्रश्नमार्ग - त्रयोदशाध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 प्रश्नमार्ग - चतुर्दशाध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशसित-ग्रन्थ -

1. प्रश्नमार्ग - टीकाकार गुरुप्रसाद गौड़, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वारणसी







विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JGE - 03  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - नवग्रह विज्ञान

कुल अङ्क 32

- इकाई - 1 सूर्यविज्ञान तथा चन्द्रविज्ञान  
समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 मङ्गलविज्ञान तथा बुधविज्ञान  
समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 बृहस्पतिविज्ञान तथा शुक्रविज्ञान  
समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 शनि विज्ञान  
समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 राहुविज्ञान तथा केतुविज्ञान  
समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 25 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 7 = कुल अङ्क = 32

अनुशसित-ग्रन्थ -

1. नवग्रहविज्ञान, कामेश्वर उपाध्याय - त्रिस्कन्ध ज्योतिषम्, वाराणसी
2. अनिष्टग्रहचिकित्सा - प्रेमदीक्षित, उमेश पाण्डेय, मेघप्रकाशन, दिल्ली

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JGE - 03  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - भावज्योतिष

कुल अङ्क 32

- इकाई - 1 भावार्थरत्नाकर - अध्याय 11  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 भावार्थरत्नाकर - अध्याय 12  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 भावार्थरत्नाकर - अध्याय 13  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 भावार्थरत्नाकर - अध्याय 14  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 भावार्थरत्नाकर - अध्याय 15  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 25 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 7 = कुल अङ्क = 32

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. रामनुजाचार्यविरचित भावार्थ रत्नाकर, रञ्जन पब्लिकेशन, नई दिल्ली।

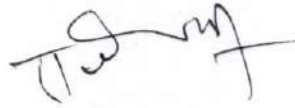
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JSS - 03  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - पौराणिक सृष्टिविज्ञान

कुल अङ्क 18

- इकाई - 1 विष्णुपुराण - प्रथम अंश - अध्याय 1 - 3  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 विष्णुपुराण - प्रथम अंश - अध्याय 4 - 5  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 मनुस्मृति - प्रथम अध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 15 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 3 = कुल अङ्क = 18

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. विष्णुमहापुराण - व्याख्याकार शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
2. मनुस्मृति - व्याख्याकार डॉ. गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
3. पुराणविमर्श - आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी





विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम.ए. (तृतीय सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN

सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JSS - 03  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - संस्कृत नीति शास्त्र

कुल अङ्क 18

- इकाई - 1 हितोपदेश सन्धि प्रकरण गद्यभाग एवं पद्य 1 - 50  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 हितोपदेश सन्धि प्रकरण गद्यभाग एवं पद्य 51 - 80  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 हितोपदेश सन्धि प्रकरण गद्यभाग एवं पद्य 81 - 143 पर्यन्त  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 25 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 7 = कुल अङ्क = 32

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. हितोपदेश - नारायणपण्डित, चौखम्बा संस्कृत प्रकाशन, वाराणसी

**SCHOOL OF STUDIES IN SANSKRIT - VED - JYOTIRVIGYAN**  
**VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN**  
**SEMESTER-IV [MA JYOTIRVIGYAN]**  
**CBCS PATTERN**

SUBJECT CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR INTERNAL EXAMINATION	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXAMINATION	TOTAL MARKS
	JC- <del>p0</del>	उच्चतर ज्योतिर्गणित	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JC- <del>p1</del>	फलित ज्योतिष के इतर आयाम	7.5	7.5Hrs.	10	40	50
	JC- <del>p2</del>	संस्कृत वाङ्मय का इतिहास	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JEC-04	मुहूर्तशास्त्र	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JEC-04	गुण-लक्षण ज्योतिष	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JEC-04	संहिता ज्योतिष	7.5	7.5 Hrs.	10	40	50
	JGE-04	प्रश्न ज्योतिष	4.5	4.5 Hrs.	07	25	32
	JGE-04	संस्कार विज्ञान	4.5	4.5 Hrs.	07	25	32
	JSS-04	पदार्थ विज्ञान	3	3 Hrs.	03	15	18
	JSS-04	उपनिषद् विद्या ✓	3	3 Hrs.	03	15	18
		TOTAL	30	30	40	160	200

**JYOTISH CORE COURSE, (JC)**

**JYOTISH CORE ELECTIVE COURSE, (JEC)**

**JYOTISH GENERIC ELECTIVE COURSE (JGE)**

**JYOTISH SOFT SKILL COURSE (JSS)**

Note : Student has to opt either one course from Group of JEC-04 or the combination of one each course from the Group of JGE-04 and Group of JSS-04


**Weightage :**

One course from Group of JEC-04 = One course each from JGE 04 and JSS 04

[10 internal + 40 External = 50] = [(07 internal + 25 external) + (03 internal + 15 external)] = 50

[10 internal + 40 External = 50] = [(07 internal + 25 external) + (03 internal + 15 external)] = 50

JEC04 = JGE 04 + JSS 04





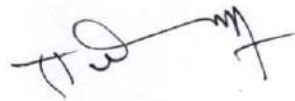
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JC - 10  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - उच्चतर ज्योतिर्गणित

कुल अङ्क 50

- इकाई - 1 पञ्चसिद्धान्तिका - आचार्य वराहमिहिर  
अध्याय 17 - ताराग्रह स्फुटीकरण (सम्पूर्ण)
- इकाई - 2 सूर्यसिद्धान्त - नवीन  
अध्याय 2 - स्पष्टाधिकार  
(श्लोक सङ्ख्या 1 से 15 तक)
- इकाई - 3 सूर्यसिद्धान्त - नवीन  
अध्याय 2 - स्पष्टाधिकार  
(श्लोक सङ्ख्या 16 से 30 तक)
- इकाई - 4 सूर्यसिद्धान्त - नवीन  
अध्याय 2 - स्पष्टाधिकार  
(श्लोक सङ्ख्या 31 से 45 तक)
- इकाई - 5 सूर्यसिद्धान्त - नवीन  
अध्याय 2 - स्पष्टाधिकार  
(श्लोक सङ्ख्या 46 से अन्त तक)
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. पञ्चसिद्धान्तिका - टीकाकार म.म. सुधाकर द्विवेदी तथा सी थिबोट चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफिस, वाराणसी
2. पञ्चसिद्धान्तिका - टी. एस. कुप्पनशास्त्री तथा बी.के. शर्मा, पी.सी.एस.टी. फाउण्डेशन, अड्यार, मद्रास
3. सूर्यसिद्धान्त - अनुवाद आर.ई. वर्गज, इण्डोलॉजिकल बुक हाउस वाराणसी
4. सूर्यसिद्धान्त - टीकाकार - श्री कपिलेश्वर शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
5. सूर्यसिद्धान्त - टीकाकार - पं. माधवप्रसाद पुरोहित, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी





6. सूर्यसिद्धान्त - टीकाकार - बलदेवप्रसाद मिश्र, खेमराज श्रीकृष्णदास, मुम्बई
7. सूर्यसिद्धान्त - टीकाकार - रामचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
8. वेदाङ्ग ज्योतिष-टीकाकार - डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली।
9. ज्योतिषशास्त्र - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, 96, जानकी नगर, बजरडिया, वाराणसी।
10. गोल-परिभाषा - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
11. गोल-परिभाषा - पं. सीताराम झा, पं. सीताराम पुस्तकालय, चोगभा बहेरा, दरभंगा।

Handwritten signature in blue ink, appearing to be 'S. S. S.' with a long horizontal line extending to the right.

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JC - 11  
प्रश्नपत्र का शीर्षक – फलित ज्योतिष के इतर आयाम

कुल अङ्क 50

- इकाई - 1 षट्पञ्चाशिका - आचार्य पृथुयश  
अध्याय 3 - छोडकर सम्पूर्ण ग्रन्थ
- इकाई - 2 सचित्र सामुद्रिक रहस्यम् (पं. कालिकाप्रसाद शर्मा) एवं  
बृहत् अङ्क ज्योतिर्विज्ञान (राजेश दीक्षित)
1. प्रमुख एवं गौण रेखाओं का सचित्र फलादेश
  2. हस्तर रेखाओं द्वारा विभिन्न योगों का ज्ञान तथा काल निर्धारण
  3. मूलाङ्क और उनका प्रभाव
  4. विभिन्न संख्याओं का विशिष्ट प्रभाव
  5. नामाङ्कों के द्वारा चरित्रपरीक्षा
  6. अङ्कों द्वारा चरित्र परीक्षा
  7. शरीर सञ्चालन की क्रियाओं पर अङ्कों का प्रभाव
  8. अङ्कों के अनुसार विवाह और मैत्री सम्बन्ध
  9. अङ्कों के अनुकूल व्यवसाय का चुनाव
  10. अङ्कों के अनुकूल रङ्ग, रत्न एवं कालखण्ड का चुनाव
  11. अङ्कों के अनुकूल दिशाओं, नगरों एवं राष्ट्रों का चुनाव
  12. अङ्कों के अनुकूल यन्त्र
- इकाई - 3 बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर  
अध्याय 80 - रत्नपरीक्षाध्याय  
अध्याय 81 - मुक्तालक्षणाध्याय  
अध्याय 82 - पद्मरागलक्षणाध्याय  
अध्याय 83 - मरकतलक्षणाध्याय

TJ

राजेश दीक्षित



इकाई - 4 बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर  
अध्याय 86 - शाकुनाध्याय  
अध्याय 87 - अन्तरचक्राध्याय  
अध्याय 88 - विरुताध्याय  
अध्याय 89 - श्वचक्राध्याय  
अध्याय 90 - शिवारुताध्याय

इकाई - 5 बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर  
अध्याय 91 - मृगचेष्टिताध्याय  
अध्याय 92 - गवेङ्गिताध्याय  
अध्याय 93 - अश्वेङ्गिताध्याय  
अध्याय 94 - हस्तिचेष्टिताध्याय  
अध्याय 95 - वायसविरुताध्याय  
अध्याय 96 - शाकुनोत्तराध्याय

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

सन्दर्भ ग्रन्थ -

1. षट्पञ्चाशिका - आचार्य पृथुयश, टीका - आचार्य गुरुप्रसाद गौड़, चौखम्बा सुर भारती प्रकाशन, वाराणसी
2. सचित्र सामुद्रिक रहस्यम् - पं. कालिकाप्रसाद शर्मा, ठाकुर प्रसाद एण्ड सन्स बुक सेलर, राजा दरवाजा कचौड़ी गली, वाराणसी
3. सामुद्रिकशास्त्र - बसन्तलाल व्यास, राया, मथुरा
4. बृहद् हस्तरेखाशास्त्र - डॉ. नारायणदत्त श्रीमाली, पुस्तक महल, नई दिल्ली
5. बृहत्संहिता - वराहमिहिर, टीकाकार - पं. अच्युतानन्द झा, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
6. बृहद् अङ्कज्योतिर्विज्ञान - राजेश हिन्दी पुस्तक भण्डार, खारी बांवली, नई दिल्ली
7. अङ्क ज्योतिष - डॉ. नारायणदत्त श्रीमाली, अनुपम पॉकेट बुक्स, कमला नगर, दिल्ली
8. You & Your star Chiro, New Light Publishers, New Delhi.

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JC - 12  
प्रश्नपत्र का शीर्षक – संस्कृत वाङ्मय का इतिहास

कुल अङ्क 50

- इकाई - 1 वैदिक साहित्य का परिचय
- इकाई - 2 रामायण एवं महाभारत परिचय
- इकाई - 3 प्रमुख महाकाव्यों का परिचय  
( रघुवंशम्, कुमारसम्भवम्, शिशुपालवधम्, नैषधीयचरितम्, किरातार्जुनीयम् )
- इकाई - 4 दर्शन साहित्य का परिचय  
(प्रमुख आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन - चार्वाक, बौद्ध, वेदान्त, सांख्य, न्याय)
- इकाई - 5 पुराण साहित्य का परिचय  
अष्टादश महापुराणों का परिचय  
सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. वैदिक साहित्य का इतिहास - गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास - पं. उमाशंकर शर्मा, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
3. दर्शनशास्त्र का इतिहास - सङ्गमलाल पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी
4. पुराण विमर्श - पं. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

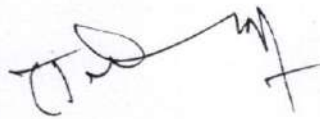
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - ~~HEC-04~~ JCC-12  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - मुहूर्तशास्त्र


कुल अङ्क 50

- इकाई - 1 मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य  
अध्याय 1 - शुभाशुभप्रकरणम्
- इकाई - 2 मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य  
अध्याय 2 - नक्षत्रप्रकरणम्
- इकाई - 3 मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य  
अध्याय 4 - गोचरप्रकरणम्
- इकाई - 4 मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य  
अध्याय 5 - संस्कारप्रकरणम्
- इकाई - 5 मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य  
अध्याय 6 - विवाहप्रकरणम्
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य, टीकाकार: - केदारदत्त जोशी, मोतीलाल बनारसीदास, प्रकाशन, दिल्ली
2. मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य, टीकाकार: - डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, दिल्ली
3. मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य, टीकाकार: - गौरीनाथ पाठक, ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुक सेलर, वाराणसी
4. मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य, टीकाकार: - पं. कौशल किशोर त्रिपाठी, श्री दुर्गा पुस्तक भण्डार प्रा. लि. इलाहाबाद
5. मुहूर्तचिन्तामणि - श्रीरामाचार्य, टीकाकार: - डॉ. रामचन्द्र पाण्डेय कृष्णदास अकादमी, वाराणसी





विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान

CBCS PATTERN

सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - ~~JEC-04~~ JEC-04  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - गुण लक्षण ज्योतिष

कुल अङ्क ~~50~~ 32

- इकाई - 1 बृहत्संहिता - पुरुषलक्षणाध्याय (67)  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 बृहत्संहिता - पञ्चमहापुरुषलक्षणाध्याय (68)  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 बृहत्संहिता - स्त्रीलक्षणाध्याय (69)  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 बृहत्संहिता - स्त्रीप्रशंसाध्याय (73)  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 बृहत्संहिता - पुरुषस्त्रीसमायोगाध्याय (77)  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - ~~40~~ + आन्तरिक मूल्याङ्कन - ~~10~~ = कुल अङ्क = 50 ~~40~~

~~32~~  
25

~~8~~  
7

= 32

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. बृहत्संहिता - वराहमिहिर, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JEC - 04  
प्रश्नपत्र का शीर्षक – संहिता ज्योतिष

कुल अङ्क 50

- इकाई - 1 बृहत्संहिता अध्याय 34 - 37  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 बृहत्संहिता अध्याय 38 - 41  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 बृहत्संहिता अध्याय 42 - 45  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 बृहत्संहिता अध्याय 46 - 49  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 बृहत्संहिता अध्याय 50 - 52  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 40 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 10 = कुल अङ्क = 50

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. बृहत्संहिता - वराहमिहिर, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JGE - 04  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - प्रश्न ज्योतिष

कुल अङ्क 32

- इकाई - 1 प्रश्नमार्ग - सप्तदशाध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 प्रश्नमार्ग - अष्टादशाध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 प्रश्नमार्ग - एकोनविंशाध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 प्रश्नमार्ग - विंशोऽध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 प्रश्नमार्ग - एकविंशोऽध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 25 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 7 = कुल अङ्क = 32

अनुशासित-ग्रन्थ -

1. प्रश्नमार्ग - टीकाकार गुरुप्रसाद गौड, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वारणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान

CBCS PATTERN

सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JGE - 04

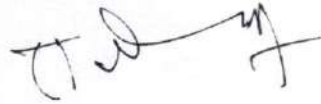
प्रश्नपत्र का शीर्षक - संस्कार विज्ञान

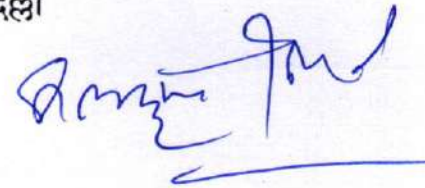
कुल अङ्क 32

- इकाई - 1 मनुस्मृति - द्वितीय अध्याय (श्लोक 1 - 125)  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 मनुस्मृति - द्वितीय अध्याय (श्लोक 126 - 249)  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 मनुस्मृति - तृतीय अध्याय (श्लोक 1 - 143)  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 4 मनुस्मृति - तृतीय अध्याय (श्लोक 144 - 286)  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 5 याज्ञवल्क्य स्मृति - आचाराध्याय (ब्रह्मचारिप्रकरण)  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 25 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 7 = कुल अङ्क = 32

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. मनुस्मृति - व्याख्याकार - डॉ. गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. मनुस्मृति - व्याख्याकार - शिवराज कौण्डिन्यायन, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. याज्ञवल्क्यस्मृति - डॉ. गङ्गासागर राय, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली





विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JSS - 04  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - पदार्थ विज्ञान

कुल अङ्क 18

- इकाई - 1 तर्कसङ्ग्रह - द्रव्य  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 तर्कसङ्ग्रह - कर्म  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 तर्कसङ्ग्रह - गुण  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 15 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 3 = कुल अङ्क = 18

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. तर्कसङ्ग्रह - अन्नम्भट्ट - चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी







विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन  
पाठ्यक्रम एम्.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) ज्योतिर्विज्ञान  
CBCS PATTERN  
सत्र - 2016-17 प्रश्नपत्र - JSS - 04  
प्रश्नपत्र का शीर्षक - उपनिषद् विद्या

कुल अङ्क 18

- इकाई - 1 कठोपनिषद् - प्रथमाध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 2 कठोपनिषद् - द्वितीयाध्याय  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- इकाई - 3 तैत्तिरीयोपनिषद् - शीक्षावल्ली  
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
- सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 15 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 03 = कुल अङ्क = 18

अनुशंसित-ग्रन्थ -

1. कठोपनिषद् - शाङ्करभाष्यसहित - डॉ. सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्भाविद्या भवन, वाराणसी
2. कठोपनिषद् - गीताप्रेस, गोरखपुर
3. तैत्तिरीयोपनिषद् - गीताप्रेस, गोरखपुर

